नमस्कार

Abc... जी, आपकी जन्मकुंडली वृष लग्न और तुला राशि की है तथा चित्र नक्षत्र के तीसरे चरण में आपका जन्म हुआ है, शनि बुध शुक्र आपकी कुंडली के शुभ कारक ग्रह हैं।

आपकी कुंडली में मंगल स्वराशि में स्थित है और लग्न भाव पर मंगल की दृष्टि पड़ रही है जो दर्शाता है के आप एक कर्म प्रधान व्यक्ति हैं और जीवन में कभी अपना कर्म और प्रयास करने नहीं छोड़ते, लग्न पर मंगल की दृष्टि होना आपको निडर और हिम्मती भी बनाएगा और आप एक स्वाभिमानी प्रकृति के व्यक्ति होंगे आपको को किसी से डरकर रहना या किसी के आधीन कार्य करना पसंद नहीं होगा साथ ही यहाँ मंगल स्वराशि के साथ केंद्र में होने से रूचक योग भी बन रहा है जो आपको अपने कार्यो और कर्तव्यों के प्रति मेहनती और समर्पित भाव से कर्म करने वाला व्यक्ति बनाता है, तो आपकी कुंडली में मंगल का मजबूत होना आपको मेहनती और परिश्रमी तो बनाएगा पर आपकी कुंडली में मन कारक चन्द्रमाँ केतु के साथ छटे भाव में होने से बहुत पीड़ित और कमजोर स्थिति में है जिससे आप मानसिक शांति की हमेशा कमी अनुभव करेंगे, आपका मन बहुत चलायमान रहेगा और कमजोर चन्द्रमाँ के ही कारण आपको एंग्जायटी, बहुत अधिक सोचना और किसी भी बात को लेकर जल्दी डिप्रैस हो जाने की समस्या रहेगी, आपकी कुंडली में बना चन्द्रमाँ केतु का योग आपको अंदर से एक भावुक व्यक्ति भी बनाएगा.....आपकी कुंडली में लग्नेश शुक्र का केंद्र में स्थित होना बहुत शुभ है पर इसके अलावा आप की कुंडली में सूर्य और बृहस्पति का योग भी बहुत शुभ योग है इसे जीवात्मा संयोग कहते हैं जो दर्शाता है के आप धार्मिक स्तर पर पर भी श्रद्धावान व्यक्ति होंगे और दूसरे व्यक्तियों के साथ आपका व्यव्हार बहुत परिपक्व होगा, साथ ही लग्नेश शुक्र का केंद्र में होना और बृहस्पति सूर्य का योग दशम भाव में बनना आपको जीवम में अच्छी प्रतिष्ठा और सम्मान भी दिलाएगा तथा अपने जीवन में आपके सम्पर्क अच्छे और उच्च स्तर के प्रतिष्ठित लोगों से भी होंगे.....

आपकी कुंडली में क्योंकि मंगल बली है इसलिए आप म्हणत करने से तो कभी पीछे नहीं हटेंगे और जिस काम को करने का ठान लेंगे उसे पूरा करके ही दम लेंगे पर आपकी कुंडली में बुध का नीच राशि में होना और चन्द्रमाँ केतु का योग आपको सही और सटीक डिसीजन्स लेने में समस्या उत्पन्न करेगा और किसी भी निर्णय को लेने से पहले आपको बहुत कन्फ्यूजन होगी

जिससे मस्तिष्क में एक असमंजस की स्थिति रहेगी इसलिए हमेशा किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय से पहले आपको बड़ों या किसी परिपक्व व्यक्ति से सलाह अवश्य करनी चाहिए। .....

आपकी कुंडली की पूरी ग्रहस्थिति को यदि एक दृष्टि में देखें तो आपकी कुंडली में कुछ बहुत अच्छे और शुभ फलदायी ग्रहयोग बने हुए हैं जो आपके जीवन की सफलता के लिए बहुत सहायक हैं, जैसे आपकी कुंडली में लग्नेश शुक्र लाभेश बृहस्पति और चतुर्थेश सूर्य का दशम भाव में बना योग बहुत शुभ है जो आपके जीवन में समृद्धि उन्नति और प्रतिष्ठा देने वाला है इसके अलावा आपकी कुंडली में चतुर्थ भाव पर चतुर्थेश सूर्य की दृष्टि होने से कुंडली का चौथा भाव भी मजबूत है जो आपको जीवन में अच्छे सुख संसाधन और संपत्ति भी देगा इसके अलावा भाग्येश शनि की भाग्य स्थान पर दृष्टि होना भी आपके भाग्य की सफलता को तय करता है तो यहाँ बने ग्रह योग ये तो दर्शाते हैं के आप अपने जीवन को एक अच्छी स्थिति में लाने में सफल होंगे पर अब यहाँ महत्वपूर्ण बात यह है के आपकी कुंडली में सकारात्मक और नकारात्मक ग्रहयोगों का एक मिश्रण है जिसमे जैसा हमने बताया के ये कुछ अच्छे योग आपकी कुंडली में हैं परन्तु यहाँ कुछेक ऐसे ग्रहयोग भी बने हुए हैं जो व्यक्ति के भाग्योदय में विलम्ब और बाधाएं उत्पन्न करते हैं और व्यक्ति संघर्ष के बाद सफल होता हैं, इसमें सबसे पहले तो आपकी कुंडली में बना "काल-सर्पयोग" है जिसके कारण व्यक्ति का भाग्योदय समान्य की अपेक्षा कुछ विलम्ब से होता है और अपने किसी भी कार्य की सफलता के लिए व्यक्ति को अधिक परिश्रम और निरंतर प्रयास करने पड़ते हैं, इसके अलावा आपकी कुंडली में मंगल स्वराशि में होना तो अच्छा है पर मंगल और शनि का योग एक संघर्ष बढ़ाने वाला योग होता है तो यहाँ शनि डिग्री में मंगल से कमजोर है जो विशेषकर व्यक्ति की आजीविका को बाधित करता है और इसके अतिरिक्त आपकी कुंडली में राहु का बारहवे भाव में होना भी एक वीक पॉइंट ही है जो जीवन में आर्थिक स्थिरता को बाधित करता है..... अब इस पूरी ग्रहस्थिति का निष्कर्ष देखें तो आप अपने जीवन और अपने कार्यों में सफल तो होंगे पर आपको कोई भी सफलता पहले प्रयास में नहीं मिलेगी आपको अपने प्रयास निरंतर करते रहना होगा, दूसरा आपको जीवन में सफलता सफलता मिलेगी तो अवश्य पर संघर्ष के बाद तो कुल मिलाकर आपके जीवन में सफलता तो निश्चित है पर कुछ विलम्ब से और अधिक प्रयत्नों के बाद.....

स्वास्थ - आपकी कुंडली में लग्नेश शुक्र (स्वास्थ का स्वामी) का केंद्र में मित्र राशि में होना स्वास्थ की दृष्टि से अच्छा है और लग्न (स्वास्थ का भाव) पर भी कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं

है तो यह ग्रहस्थिति जीवन में आपको बड़ी और आकस्मिक स्वास्थ समस्यायों से तो बचाएगी साथ ही आपकी कुंडली में बृहस्पति का केंद्र में होना आपको दीर्घायु भी बनाता है परन्तु आपकी कुंडली में छटे भाव (रोग भाव) में चन्द्रमाँ और केतु का योग स्वास्थ की दृष्टि से कुछ समस्याएं अवश्य देगा तो वैसे आपका स्वास्थ पक्ष मध्यम स्थिति में रहेगा पर आपकी कुंडली में बनी ग्रहस्थिति के अनुसार विशेष रूप से आपको डाइजेशन या पाचन तंत्र से जुडी समस्याएं, आंतों से जुडी समस्याएं, माइग्रेन, कोल्ड कफ, स्किन प्रॉब्लम्स और जॉइंट्स पेन जैसी समस्याएं रहेंगी।

करियर - करियर की दृष्टि से आपकी कुंडली को देखें तो कुंडली का दशम भाव और दशमेश व्यक्ति के करियर को नियंत्रित करते हैं इसके अलावा शनि आजीविका का नैसर्गिक नियंत्रक होने से शनि भी करियर की दृष्टि बहुत महत्वपूर्ण घटक होता है..... आपकी कुंडली में शनि ही दशमेश है अतः भावेश और नैसर्गिक करक दोनों प्रकार से शनि ही आपके करियर का नियंत्रक है, आपकी कुंडली में दशम भाव में लग्नेश शुक्र तथा सूर्य बृहस्पति स्थिति हैं तो दशम भाव (करियर का भाव) तो आपकी कुंडली में ठीक है पर यदि दशमेश शनि को देखें तो शनि यहाँ दिक्बली तो है और वर्गोत्तमी भी है पर शनि यहाँ अपने शत्रु ग्रह मंगल के साथ मंगल की ही राशि में बैठा है और मंगल की डिग्री यहाँ शनि से अधिक हैं जिससे शनि यहाँ मंगल से पीड़ित हो रहा है और आपकी कुंडली में शनि (करियर का स्वामी) का मंगल से पीड़ित होना ही आपके करियर के लिए एक वीक पॉइंट है..... आपकी कुंडली में दशम भाव ठीक स्थिति में होना आपके करियर की सफलता को तो निश्चित करता है पर दशमेश शनि पीड़ित होना आपके करियर को बाधा पूर्ण बनाता है, असल में ऐसी स्थिति में व्यक्ति के करियर का शुरूआती समय संघर्षपूर्ण तो रहता ही है साथ ही करियर की स्थिरता के लिए प्रयास भी अधिक करने पड़ते हैं तो ग्रहस्थिति को देखते हुए आपको अपने करियर में सफलता मिलेगी पर विलम्ब और बाधाओं के बाद तो आपने अपने प्रोडक्ट के नाम या फेम की बात कही है तो आगे के समय में जब ग्रहस्थिति पूरी तरह आपके अनुकूल होगी तो आपका करियर और आपका प्रोडक्ट उस अच्छी स्थिति में अवश्य पहुंचेंगे..... बाकि आप अपने करियर को एक बिजनेस के रूप में कर रहे हैं तो आपकी कुंडली में लाभेश बृहस्पति और लग्नेश शुक्र का दशम भाव (करियर का भाव) में होना स्वतंत्र व्यवसाय या बिजनेस की दृष्टि से ठीक बस करियर को लेकर समस्या यहाँ शनि मंगल के योग के कारण है, कुंडली में शनि मंगल का योग होने पर व्यक्ति को संघर्ष के बाद ही करियर में सफलता मिल पाती है और करियर को लेकर ये जो

कुछ वीक पॉइंट्स हैं इनके लिए हम भी आपको कुछ ज्योतिषीय उपाय बताएँगे जो आपके लिए सहायक होंगे.....

आपकी कुंडली की ग्रहस्थिति के अनुसार कॉस्मेटिक्स, रेडीमेड गारमेंट्स, लेडी गारमेंट्स, रेस्टोरेंट, बिजली का समान, इलेक्टॉनिक आइटम्स, स्टेशनरी या कागज से जुड़ा काम आदि आपके लिए अच्चे हैं, आप जो डिटर्जेंट का काम कर रहे हैं वह भी आपके लिए ठीक है पर इस समय आपने मुख्य रूप से जो अपना बिजनेस सही स्थिति में न चलने का प्रश्न किया है तो उसके पीछे इस समय की कुछ विशेष गोचर ग्रहस्थितयाँ है जिसके बारे में हम आपको आगे विस्तार से बताएँगे के कब तक ऐसा रहेगा और कब से आपके करियर में तेजी आएगी।

आर्थिक और संपत्ति पक्ष - आपकी कुंडली में धनेश बुध (स्थिर धन का स्वामी) नीच राशि में होना एक वीक पॉइंट तो है पर बृहस्पति केंद्र में होने से इसका नीच भंग हो रहा है, धन भाव पर लाभेश बृहस्पति की शुभ दृष्टि भी पड़ रही है और लाभेश बृहस्पति (धन लाभ का स्वामी) भी केंद्र में शुभ स्थिति में है इसके साथ ही धन और समृद्धि का नैसर्गिक कारक शुक्र भी आपकी कुंडली में सही स्थिति में है तो इन सभी ग्रहस्थितियों के अनुसार आपकी आर्थिक स्थिति वैसे तो अच्छी रहेगी और जीवन में पर्याप्त धन प्राप्ति होती भी रहेगी तो आपके जीवन में धनागमन की तो समस्या नहीं होगी पर यहाँ जो विशेष बात है के आपकी कुंडली में बारहवे भाव (व्यय भाव) में राहु स्थित है जो धन खर्च को बढाता है और जीवन में धन को स्थिर नहीं होने देता जिस कारण आपको धन प्राप्ति तो लगातार होती रहेगी पर आपके जीवन में प्राप्त हुए धन की स्थिरता में कमी रहेगी, अर्थात प्राप्त हुआ धन कहीं न कहीं किसी न कार्य में खर्च हो ही जायेगा भले ही अच्छे कार्यों में या कोई वस्तु लेने में खर्च हो पर सीधे सीधे प्राप्त हुआ धन आपके पास अधिक समय तक नहीं रुका करेगा तो इसलिए आर्थिक दृष्टि से इस स्थिति को आपको मैनेज करने का प्रयास करना होगा बाकी धन-प्राप्ति या अर्निंग को लेकर स्थिति ठीक रहेगी.....

आपकी कुंडली में एक अच्छी बात यह यही के चतुर्थेश सूर्य की चतुर्थ भाव पर दृष्टि होने से आपकी कुंडली का चतुर्थ भाव मजबूत स्थिति में है और जीवन की सुख संसाधन और संपत्ति को कुंडली का चौथा भाव ही नियंत्रित करता है इसके अलावा शुक्र भी आपकी कुंडली में अच्छा

है इसलिए आपके जीवन में सुख संसाधन और संपत्ति पक्ष अच्छा रहेगा और जीवन में सभी भौतिक संसाधनों की प्राप्ति होगी।

वैवाहिक पक्ष - ज्योतिषीय दृष्टि से कुंडली का सप्तम भाव सप्तमेश और शुक्र वैवाहिक जीवन को नियंत्रित करते हैं, आपकी कुंडली में वैसे तो सप्तमेश मंगल (वैवाहिक जीवन का स्वामी) सप्तम भाव में होने से मजबूत स्थिति में है जो वैवाहिक जीवन की स्थिरता के लिए अच्छा है और वैवाहिक जीवन का नैसर्गिक नियंत्रक शुक्र भी आपकी कुंडली में सही स्थिति में है जो वैवाहिक दृष्टि से अच्छा है तो वैसे तो आपका वैवाहिक जीवन ठीक रहेगा और पत्नी कारक शुक्र आपकी कुंडली के दशम भाव में हैं इसलिए आपकी पत्नी आपके जीवन और करियर की सफलता में आपके लिए सहायक भी होंगी और आपके विवाह के उपरांत आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन भी निश्चित ही आये होंगे, पर यहाँ आपकी कुंडली के सप्तम भाव में शनि मंगल का योग है जो वैवाहिक जीवन बहुत बार विवाद उत्पन्न कराता है तो आपको अपने वैवाहिक जीवन में आर्ग्यूमेंट्स और विवाद करने से बचना चाहिए क्योंकि ग्रहस्थिति कुछ ऐसी ही बनी हुई है जिससे भले ही आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहे पर शनि मंगल सप्तम भाव में होने से आप दोनों में छोटी छोटी बातों को लेकर भी बहस की स्थिति उत्पन्न हो सकती है तो वैवाहिक जीवन में बहस को न बढ़ने देने का हमेशा प्रयास करें

आपकी कुंडली में पंचमेश बुध (संतान भाव का स्वामी) नीच राशि में होना आपके जीवन में संतान पक्ष से जुडी कुछ शुरूआती समस्याओं को तो दर्शाता है पर पंचमेश बुध की पंचम भाव पर दृष्टि होने से पंचम भाव मजबूत है साथ ही संतान का नैसर्गिक कारक बृहस्पति भी आपकी कुंडली में केंद्र में शुभ स्थिति में है तो आपके जीवन में संतान पक्ष और संतानसुख सही रहेगा।

तो आपकी जन्मकुंडली एक मध्यम स्तर की कुंडली है और आपकी कुंडली में बनी ग्रहस्थितियाँ निश्चित रूप से आपके जीवन में मध्यमतः अच्छी सफलता को निश्चित भी करती हैं, भले ही इस समय में आपके साथ संघर्ष चल रहा हो क्योंकि जैसे हम बता चुके हैं कुछेक ग्रहयोग जैसे कालसर्पयोग आपकी सफलता में विलम्ब का एक कारण है पर विशेष बात यह है के संघर्ष के बाद सफलता है या नहीं तो आपके जीवन में आपको संघर्ष तो करना पड़ेगा पर संघर्ष के बाद यहाँ आपकी सफलता भी निश्चित है क्योंकि आपकी कुंडली में अन्य अच्छे और शुभ फलदायी ग्रहयोग भी बने हुए हैं तो इसके लिए आपको मेंटली भी प्रिपेयर रहना होगा के यदि थोड़े समय

तक जीवन में बाधाएं आ रही है या कार्यों की सफलता में देरी हो रही है या किये गए प्रयासों का मनमुताबिक परिणाम नहीं मिल रहा तो ये तो आपके भाग्य का एक हिस्सा है क्योंकि आपकी कुंडली में बाधाओं को पर करने के बाद ही सफलता है तो जीवन में आने वाले संघर्ष को लेकर अधिक परेशान न हों और अपने प्रयास निरंतर करते रहें.....

अब यहाँ जो आपने मुख्य रूप से अपने डिटर्जेंट के व्यवसाय के बारे में पूछा है तो इस विषय में हम यहाँ बता रहे हैं.....

वर्तमान और अग्रिम समय -

वर्तमान समय में आपकी कुंडली में बृहस्पति की महादशा (27/2/2006 से 27/2/2022) में सूर्य की अन्तर्दशा (9/9/2016 से 28/6/2017) चल रही है, आपकी कुंडली में हालाँकि महादशा स्वामी बृहस्पति बहुत शुभकारक ग्रह नहीं है पर यहाँ दशम भाव में होने से बृहस्पति स्थिति अच्छी है जिससे बृहस्पति करियर को लेकर आपके लिए सहायक ही है इसके अलावा इस समय में चल रही सूर्य की अन्तर्दशा भी आपके लिए अच्छी है तो कुंडली की ग्रहदशाएँ तो आपके लिए इस समय में सहायक हैं पर पिछले लम्बे समय से गोचर ग्रह आपके लिए बाधक बने हुए हैं..... असल में 26 जनवरी 2017 को शनि के धनु राशि में आने से आप पर चल रही शनि की साढ़ेसाती तो समाप्त हो गयी थी पर पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से केतु कुम्भ राशि में आपकी कुंडली में दशम भाव (करियर का भाव) में गोचर कर रहा है जो आपके करियर या बिजनेस की ग्रोथ को रोक रहा है इसलिए साढ़ेसाती समाप्त होने पर भी अभी आपके जीवन में कोई सकारात्मक परिवर्तन नहीं आये और दूसरा अभी आपके लिए कोई विशेष उन्नतिकारक ग्रहस्थिति नहीं बनी है, अब यहाँ एक बात और महत्वपूर्ण है के 6 अप्रेल से शनि धनु राशि में वक्री चल रहा है जिससे पिछले तीन महीनो से जीवन में संघर्ष बढ़ गया होगा तथा 20 जून 2017 से 25 अक्टूबर के बीच शनि फिर से वृश्चिक राशि में रहेगा जिससे कुछ समय के लिए आप पर साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा तो कुल मिलाकर अभी भी ग्रहस्थिति आपके जीवन और करियर के लिए बहुत अनुकूल नहीं है, पर यदि अब आगे के समय को देखें तो यहाँ तीन ग्रह परिवर्तन होने जो आपके लिए बहुत सकारात्मक होंगे सबसे पहले 17 अगस्त को केतु का राशि परिवर्तन होगा और आपकी कुंडली के दशम भाव (करियर का भाव) में चल रहा केतु वहां से हट जायेगा जिससे आपके करियर या बिजनेस की रुकवाके कम होंगी इसके बाद 12 सितम्बर को

बृहस्पति का तुला राशि में प्रवेश होगा जिससे आपकी कुंडली के दशम भाव पर बृहस्पति की शुभ दृष्टि पड़ेगी जो आपके करियर के लिए बहुत शुभ होगा इसके बाद अंततः 26 अक्टूबर को शनि फिर से धनु राशि में प्रवेश करेगा जिससे आप फिर से कुछ समय के लिए शुरू हुआ साढ़ेसाती का प्रभाव भी हट जायेगा, पर इन तीनो परिवर्तनों में आपके लिए जो सर्वाधिक शुभ है वो है बृहस्पति का तुला राशि में आना.....12 सितम्बर 2017 को बृहस्पति के तुला राशि में आने से आपकी कुंडली के दशम भाव (करियर का भाव) को बल मिलेगा जिससे सितम्बर के बाद से आपके करियर और बिजनेस में तेजी आएगी और अब तक जैसी स्थिति रही है उससे आप ऊपर उठेंगे, करियर में चल रहे प्रयास और योजनाएं सफल होंगी, तो अपने डिटर्जेंट के बिजनेस की समस्याओं को लेकर आपका जो प्रश्न था तो अभी सितम्बर से पहले तो इसमें कोई बड़ा सकारात्मक परिवर्तन नहीं आएगा अभी अगले तीन महीने और संघर्ष रहेगा पर सितम्बर के बाद का समय आपके बिजनेस की स्थिरता के लिए अच्छा होगा और सितम्बर के बाद के एक वर्ष में आपको अपने करियर या बिजनेस में काफी सकारात्मक परिवर्तन और उन्नति देखने को मिलेगी.....तो यहाँ से आपके करियर और चल रहे बिजनेस में अच्छा परिवर्तन आएगा.....बाकि भविष्य में ग्रहस्थिति को देखें तो.....

अभी आपकी कुंडली में चल रही बृहस्पति की महादशा फरवरी 2022 तक रहेगी और फरवरी 2022 में शनि की महादशा शुरू होगी जो फरवरी 2041 तक रहेगी तो वास्तव में आपके जीवन का भाग्योदय तो शनि मि महादशा में ही होगा जैसा के हमने बताया के बृहस्पति की स्थिति आपकी कुंडली में अच्छी है इसलिए बृहस्पति की महादशा आपके लिए सहायक तो है पर बृहस्पति आपकी कुंडली का कोई शुभ कारक ग्रह नहीं है इसलिए यह समय आपके जीवन का श्रेष्ठ समय नहीं है, पर शनि आपकी कुंडली का भाग्येश है अर्थात आपके भाग्य का स्वामी है और शनि ही आपके करियर का भी स्वामी है इसलिए शनि की महादशा आपके जीवन में श्रेष्ठ और उन्नतिकारक समय होगा जिसमे आपका भाग्योदय होगा और जीवन में स्थिरता आएगी।

तो यहाँ जो एक और महत्वपूर्ण बात है के एक तो आपके करियर को लेकर आपकी जन्मकालीन ग्रहस्थिति के जो वीक पॉइंट्स है उनके लिए तो आपको जीवन पर्यन्त उपाय करते ही रहना होगा और बाकि इस समय में जो संघर्ष उत्पन्न हो रहा है उसे देखकते हुए भी हम आपको कुछ उपाय यहाँ बता रहे हैं जो आपके लिए सहायक होंगे और चल रही समस्याओं में कमी आएगी

उपाय -

1. नीली सवासात रत्ती चांदी में सीधे हाथ की मध्यमा उंगली (मिडिल फिंगर) में शनिवार को धारण करें।

2. पन्ना सवासात रत्ती चांदी में सीधे हाथ की कनिष्ठा उंगली में बुधवार को धारण करें।

3. ॐ बृम बृहस्पते नमः का जाप करें (एक माला रोज)

4. ॐ शम शनैश्चारय नमः का जाप करें (एक माला रोज)

5. ॐ सोम सोमाय नमः का जाप करें (एक माला रोज)

6. प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।

7. प्रत्येक शनिवार को मंदिर में पीपल पर सरसों के तेल का दिया जलाएं।

8. प्रतिदिन कुत्तों को भोजन दें (रोटी, परांठा, बिस्कुट आदि)

9. आधा किलो साबुत उड़द और आधा किलो चावल को आपस में मिलाकर गरीब व्यक्ति को दान करें (यह कार्य लगातार पांच शनिवार करें)

10. एक बार नासिक में कालसर्पयोग की शांति पूजा अवश्य कराएं।

।।श्री हनुमते नमः।।